|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| 24. März 2024 | | | |
| **P A L M S O N N T A G B** | | | |
| **Feier des Einzugs Jesu in Jerusalem** | | | |
| 01. | Versammeln vor der Kirche |  |  |
| 02. | Gesang zur Eröffnung | GL 748, 1+2 | Singt dem König |
|  |  | GL 279 | Hosanna …, Kyrie |
|  |  | GL 302, 2 | Hosanna |
|  |  | GL 408 (Kanon) | Lobet und preiset |
| 03. | Begrüßung |  |  |
| 04. | Oration |  |  |
| 05. | Segnung der Palmzweige |  |  |
| 06. | Evangelium | Mk 11,1-16 oder Joh 12,12-16 | |
| 07. | Während der Prozession | GL 748, 3-5 | Sion, schaue |
|  |  | GL 748, 1-5 | Singt dem König |
|  |  | GL 360, 1-3 | Macht weit die |
| 08. | Einzug in die Kirche |  |  |
| **Messe** | | | |
| 09. | Tagesgebet |  |  |
| 10. | 1. Lesung | Jes 50,4-7 |  |
| 11. | Antwortgesang | GL 293 + Ps 22 | Mein Gott |
|  |  | GL 277, 1+4 | Aus tiefer Not |
|  |  | GL 290, 1+3+4 | Herzliebster Jesu |
| 12. | 2. Lesung | Phil 2,6-11 |  |
| 13. | Ruf vor der Passion | GL 560, 1+4+5 | Christus Sieger |
| 14. | **Passion** | Mk 14,1 – 15,47 | |
|  | Nach Mk 14,25 | GL 282, 1-3 | Beim letzten |
|  | Nach Mk 14,72 | GL 267, 1 | O Mensch |
|  |  | GL 288, 1-5 | Hört das Lied |
|  |  | GL 271, 1+2+4 | O Herr, aus tiefer |
|  | Nach Mk 15,20a | GL 289, 1+2 | O Haupt voll Blut |
|  |  | GL 290, 1+2+4 | Herzliebster Jesu |
|  | Nach Mk 15,37 | Stille und Knien |  |
|  |  | Danach |  |
|  |  | GL 289, 6+7 | Ich danke dir |
|  | Nach Mk 15,47 | GL 295, 1-3 | O Traurigkeit |
| 15. | Credo | Sprechen |  |
| 16. | Fürbitten |  |  |
| 17. | Gabenbereitung | GL 460, 1-5 | Wer leben will |
| 18. | Gabengebet |  |  |
| 19. | Sanctus | GL 194 | Heilig |
| 20. | Vater unser |  |  |
| 21. | Agnus Die | GL 747 | Gottes Lamm |
|  |  | GL 203 | O Lamm Gottes |
| 22. | Kommunion |  |  |
| 23. | Danksagung | GL 297, 1-4 | Wir danken dir |
|  |  | GL 211 | Wir rühmen dich |
|  |  | GL 270 | Kreuz, auf das ich |
| 24. | Schlussgebet |  |  |
| 25. | Schlusslied | GL 749, 1+3+7 | Des Königs Banner |
|  |  | GL 299, 1+3+5+6 | Der König siegt |
|  |  | GL 294 | O du hochheilig |
|  |  | GL 532, 1+4+5 | Christi Mutter |
| 26. | Auszug |  |  |